वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 330 शनिवार 30 मार्च 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र में कैंसर विजेता दिवस मनाया गया

राज्यपाल मिश्र ने कैंसर निदान के लिए एआई के उपयोग से प्रभावी प्रयास किए जाने पर दिया जोर, कहा...कैंसर निदान के लिए आम जन में जागरूकता के लिए मुहिम चलाई जाए

Cancer Care
(Women's Wing)
celebrate the

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि कैंसर निदान के लिए आम जन में जागरूकता की मुहिम चलाई जाए। उन्होंने कहा कि कैंसर असाध्य रोग नहीं है, समय पर जांच और इसके प्रति जागरूकता से इससे बचा जा सकता है। उन्होंने चिकित्सकों का भी आह्वान किया है कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से क्लिनिकल डेटा के आधार पर कैंसर जैसे असाध्य रोग के निदान की दिशा में प्रभावी प्रयास करें। मिश्र शुक्रवार को भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र द्वारा आयोजित 21वें कैंसर विजेता दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ब्लड कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर, मुंह एवं गले के कैंसर, लंग कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान हेतु जांच के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जन-जन को इस रोग के प्रारंभिक लक्षणों के बारे में जानकारी दी जाए और यह मुहिम कैंसर जागरूकता दिवस पर ही नहीं बल्कि वर्षपर्यन्त चलनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि कैंसर जैसे असाध्य रोगों की आरंभिक पहचान के साथ इससे बचने के चिकित्सकीय उपायों का अधिकाधिक प्रसार किया जाए। उन्होंने कैंसर विजेताओं के अनुभवों से जुड़ी सफलता की कहानियों का अधिकाधिक प्रसार किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि योग एवं प्रकृति से निकटता के साथ स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए भी आम जन को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। मिश्र ने कहा कि इस बात को समझने की आवश्यकता है कि कैंसर भयावह जरूर है परन्तु लाईलाज नहीं है। उन्होने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी आदि के साथ समुचित दवा और परहेज के जरिए कैंसर को जड़ से समाप्त किया जा रहा है। उन्होने इससे पहले कैंसर विजेताओं को सम्मानित भी किया। इससे पहले भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र के अध्यक्ष नवरतन कोठारी, उपाध्यक्ष अनिता कोठारी, कैंसर केयर की संरक्षक सुनीता गहलोत, मैनेजिंग ट्रस्टी विमलचंद सुराना, कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल एस.सी. पारीक आदि ने आयोजन के महत्व के साथ अस्पताल द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी। आयोजन में कैंसर विजेताओं ने अपने अनुभव सुनाए।

21st CANCER
SURVIVORS DAY
Friday, 29th March 2024
Chief Guest
Shri Kalraj Mishra,
21ST CANCER SURVIVORS DAY
21ST CANCER
SURVIVORS DAY

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव की परंपरा को रखना है कायम

जिला कलक्ट्रेट सभागार में पर्यवेक्षकों ने की लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को चुनाव से संबंधित सभी इंतजाम सुनिश्चित रखने के दिए निर्देश

जयपुर. कासं

राजस्थान देशभर में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए अपनी सकारात्मक पहचान रखता है। जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हमें इस परंपरा को हर कीमत पर कायम रखना है। यह कहना है भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षकों का। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव-2024 के तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में सामान्य पर्यवेक्षक कामिनी चौहान रतन, दिलराज सिंह, पुलिस पर्यवेक्षक नवनीत सिकेरा, व्यय पर्यवेक्षक श्योदान सिंह भदौरिया, रत्नेश कुमार सिंह एवं देवाशीष पॉल ने लोकसभा चुनाव के प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारियों से तैयारियों एवं इंतजामों की जानकारी ली व आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

आचार्य विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ ने किया थूवोनजी प्रस्थान

अशोक नगर समाज ने दी भावभीनी विदाई

कल होगा दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में आचार्य संघ का प्रवेशः विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। राष्ट्रसंत आचार्य 108 श्री विहर्ष सागर जी महामुनिराज, योगी धर्मवीर मुनि 108 श्री विजयेश सागर जी, 108 मुनि श्री विश्वहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का मंगल विहार अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी की ओर हो गया ।आज प्रातः काल की वेला में आचार्य संघ ने सुभाष गंज जैन मन्दिर से पार्श्वनाथ मन्दिर होते हुए निकट तीर्थ थूवोनजी की ओर कदम बढ़ा दिए। आचार्य संघ को अशोक नगर समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, प्रदीप तारई, राजेन्द्र अमन, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, मंत्री विजय धुर्रा, संयोजक उमेश सिघई, थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, महामंत्री राकेश अमरोद, शैलेन्द्र दददा, हेमंत टडैया, आनंद गांधी सहित अन्य भक्तों ने शहर के बाहर जाकर भाव भीनी विदाई दी।

रास्ते में होगा मुनि संघ का रात्रि विश्राम सुबह होगा थूवोनजी प्रवेशः विजय धुर्रा

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि आचार्य श्री संघ की आहार चार्य आज सवोरी गांव में हो रही है आज रात्रि विश्राम ग्राम तारई में प्रस्तावित है कल प्रातः काल की वेला में आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ का अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में मंगल प्रवेश होगा। दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचन्देरी शैलेन्द्र दददा ने सभी से रविवार को दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी पहुंचने का निवेदन किया है। जहां आचार्य श्री के सान्निध्य में रंगपंचमी महोत्सव मनाया जायेगा इस दौरान थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के दरवार में सर्व प्रथम मंगलाष्टक होगा इसके साथ ही दीप प्रज्जवन चित्र अनावरण के साथ ही भगवान आदिनाथ स्वामी के अभिषेक एवं जगत कल्याण की कामना के लिए लिए आचार्य श्री के श्री मुख से महा वीजाक्षरो के साथ शान्ति धारा होगी।

सड़क दुर्घटना में माता जी का देवलोक गमन

रमेश गंगवाल. शाबाश इंडिया

जयपुर। अहिंसा तत्व को अपने जीवन में समाहित कर लेने वाले जैन साधु ,साध्वियां एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने हेतु विहार करते समय किसी भी जीव का अपघात ना हो जाए , इस बात का विशेष ध्यान रखते हैं। ऐसे अहिंसा मय जीवन जीने वाले एक मातुश्री जो की आचार्य भगवान श्री 108 विराग सागर जी गुरुदेव की शिष्या 105 श्री विदुषी श्री माताजी के संघ के साथ खंडगिरि उदयगिरि सिद्ध क्षेत्र भुवनेश्वर से कटक की ओर पद विहार कर रही थी।एक दुखद घटना घटित हो गई पूज्य आर्यिका माताजी की एक ट्रक के द्वारा कटक में फूल नखरा पुल के पास सड़क दुर्घटना होने से पूज्य माताजी का देवलोक गमन हो गया। इस दुर्घटना से संपूर्ण समाज आहत हो गया है ।पूज्य माताजी का अग्नि संस्कार स्वर्ग धाम में पूर्ण विधि के साथ प्रातः 11:00 बजे संपन्न हुआ।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत
श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर, जयपुर
जैन सोशयल ग्रुप महानगर, जयपुर द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
प्रातः 9 से 1 बजे तक
रविवार, 31 मार्च 2024
स्थान:- श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी, सीटीएस बस स्टेंड, सांगानेर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
महावीर बज अध्यक्ष | नरेन्द्र पांड्या महामंत्री | नरेन्द्र बज प्रभारी
श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी
संजय जैन आवा अध्यक्ष | प्रदीप जैन संस्थापक अध्यक्ष | सनील गंगवाल सचिव
जैन सोशयल ग्रुप महानगर

अहिंसा रथ में विराजित प्रतिमा के किये दर्शन, वंदन, अभिषेक

किशनगढ़, अजमेर. शाबाश इंडिया। आचार्य सुनील सागर महाराज की प्रेरणा से संचालित अहिंसा रथ प्रवर्तन आज नगर के मुख्य मुख्य मंदिर जी में पहुंचा। मुनिसुव्रतनाथ पंचायत के उप मंत्री राजेश पांड्या ने जानकारी देते हुए बताया की आचार्य सुनील सागर महाराज की प्रेरणा से संचालित अहिंसा रथ जो सम्पूर्ण देश के भ्रमण के लिए दिनांक 24 दिसंबर 2023 को रवाना हुआ था जिसमे भगवान महावीर स्वामी की अतिशयकारी प्रतिमा विराजमान है उक्त क्रम में यह अहिंसा रथ कल दिनांक 28 मार्च को किशनगढ़ पहुंचा यहां सकल दिगंबर जैन समाज ने अहिंसा रथ की भव्य अगवानी की। आज प्रातः आदिनाथ कॉलोनी स्थित आदिनाथ जिनालय, आदिनाथ मंदिर सिटी रोड़, चन्द्रप्रभु मंदिर तेली मोहल्ला में रथ में विराजित प्रतिमा जी का जलाभिषेक किया गया ततपश्चात अहिंसा रथ जुलुस के साथ मुनिसुव्रतनाथ मंदिर पहुंचा वहा पर रथ में विराजित भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का जल, दूध, दही, नारियल, नारंगी रस, केसर, सर्वोषधी, घृत एवं पुष्प से पंचामृत अभिषेक किये एवं शांतिधारा की। इस दौरान आदिनाथ पंचायत के अध्यक्ष प्रकाशचंद गंगवाल, राजेश पांड्या, इंदर पाटनी, सुरेन्द्र दगड़ा, चन्द्र प्रकाश बैद, अशोक पाटनी, महेन्द्र गंगवाल, लोकेश झांझरी, कैलाश पहाड़िया, विनय छाबड़ा, कमल बैद, प्रदीप बाकलीवाल, विजय गंगवाल, विमल बैद, मुकेश पापड़ीवाल, राजकुमार बैद, छीत्तर पांड्या, नीलेश पाटनी, विकास झांझरी, बंटी गोधा के साथ संगीता पापड़ीवाल एवं अनीता बाकलीवाल सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे।

जैन संत 108 श्री भूतबलि सागर जी महाराज के देह परिवर्तन पर विन्यांजली सभा का हुआ आयोजन

त्याग और वैराग्य का सूरज आष्टा मध्यप्रदेश में अस्त हुआ

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जन जन की आस्था का केंद्र, वर्तमान के कुंदकुंद, ब्रह्मांड के देवता, समाधि सम्राट संत प्रवर आचार्य भगवन संत शिरोमणि 108 श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज के शिष्य 108 श्री भूतबलि सागर जी महाराज के देह परिवर्तन पर गुरूवार रात्रि में श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया।जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि 25 मार्च 2024 को होली के दिन शाम 5 बजे महाराज जी का स्वास्थ खराब हो गया और 27 मार्च दोपहर को 2.30 बजे आष्टा मध्यप्रदेश में समतापूर्वक समाधि हो गई। 108 श्री भूतबलि सागर जी महाराज, मुनि सागर जी महाराज, मोनसागर जी महाराज, मुक्ति सागर जी महाराज ससंध का 43 वां चातुर्मास सत्र 2022 में श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर पिड़ावा में बड़े ही आनंद के साथ सम्पन्न हुआ था। जिनकी प्रेरणा से श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर नवीन जिनालय खंडपुरा में बना व जिनके सानिध्य में भव्य ऐतिहासिक पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ। जिनकी प्रेरणा से जैन गोकुल धाम गौशाला दांता रोड़ प्रारम्भ हुई। ऐसे मुनि भूतबलि सागर जी महाराज का देवलोकगमन आष्टा नगर मध्य प्रदेश में होने से पिड़ावा नगर में शोक की लहर छा गई। ऐसे परम उपकारी गुरूवर भूतबलि सागर को सजल नेत्रों से समाज ने मुनि श्री के प्रति विन्यांजली प्रकट की व उनका गुणानुवाद किया। सभा का संचालन करते हुए राष्ट्रीय कवि डा. अनिल उपहार ने बताया कि त्याग और वैराग्य का सूरज आष्टा मध्यप्रदेश में अस्त हो गया।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत
स्व. श्री गुलाब चंद जी जैन की 66वीं पुण्य तिथि के अवसर पर
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
प्रातः 9 से 1 बजे तक
रविवार, 31 मार्च 2024
स्थानः- श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, लांगड़ियावास
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
संयोजक
प्रदीप कुमार जैन
9414070596
संयोजक
मनीष जैन
9928161485
पुण्यार्जकः- समस्त बाकलीवाल परिवार

वेद ज्ञान

विचार ऊर्जा हैं...

साधक शांत मुद्रा में आंखें बंद करके बैठ जाए और ईश्वर के दिव्य प्रकाश का स्मरण करे, तो अनंत अंतरिक्ष में विशाल प्रकाश पुंज दिखाई पड़ेगा। दोनों हाथ ऊपर की ओर उठाकर मन को नियंत्रित करके उस दिव्य आलोक में प्रवेश करने का प्रयास करें। भागते हुए मन को उस प्रकाश के केंद्र में स्थिर करें यहीं से मौन प्रार्थना शुरू होती है। मौन प्रार्थना का अर्थ है, अपने सकारात्मक विचारों को एकत्र कर किसी दिव्य प्रकाश युक्त बिंदु पर स्थिर करना। प्रार्थना में सबसे महत्वपूर्ण है, आपका सकारात्मक विचार। मनुष्य किस भाव से, किस कारण से, किस कामना की सिद्धि के लिए मंदिर में बैठा है, वह सब परमात्मा समझता है। मौन प्रार्थना में विचार प्रधान होता है। वहां कोई भाषा नहीं होती, केवल विचार होता है। आज विज्ञान भी मानने लगा है कि विचार से पदार्थ प्रभावित हो सकते हैं। वैज्ञानिक आइंस्टीन कहते हैं कि जिस प्रकार पदार्थ के अणु होते हैं, उसी प्रकार विचार के भी अणु होते हैं। अगर पदार्थ के अणु जीवंत हैं, तो विचार के भी अणु जीवंत होते हैं। हम जल में पत्थर फेंकते हैं, तो तरंगें उठती हैं। इसी प्रकार जब हम किसी विषय पर विचार करते हैं, तो वहां भी तरंगें उठती हैं। ये तरंगें पूरे वातावरण में उठती हैं, जो अनंत दिशाओं तक फैल जाती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि विचार अणु के समान स्थूल नहीं है, सूक्ष्म है और सूक्ष्म की कोई सीमा नहीं होती। शायद इसीलिए फ्रांसीसी वैज्ञानिक थाम्पसन ने कहा था कि पृथ्वी पर हम एक फूल तोड़ते हैं, तो उसकी चटक अंतरिक्ष में सुनाई पड़ती है, क्योंकि वह सूक्ष्म है। विचार ऊर्जा है और ऊर्जा को ही एनर्जी कहते हैं। ऊर्जा का कभी नाश नहीं होता, केवल उसका रूप बदल जाता है। शायद इसीलिए संतों के आश्रम के चारों ओर इसी सकारात्मक ऊर्जा का क्षेत्र व्याप्त रहता है और मनुष्य जब उस वातावरण में प्रवेश करता है, तो उस वातावरण की सकारात्मक ऊर्जा से स्वयं प्रभावित होने लगता है। उसे महसूस होने लगता है कि उसके अशांत मन को यहां बड़ी शांति मिल रही है। इसका वैज्ञानिक कारण है कि मनुष्य जब उस क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो वहां के वातावरण का प्रभाव उसके शरीर पर पड़ने लगता है और उसके शरीर में जैविक परिवर्तन होने लगता है।

संपादकीय

बेरोजगारी के आंकड़े में युवाओं की हिस्सेदारी चिंताजनक

अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर के बीच अगर बेरोजगारी के आंकड़े में युवाओं की हिस्सेदारी चिंताजनक स्तर तक दिखाई देने लगे तो सोचने की जरूरत है कि विकास के रास्ते में इस मसले का क्या हल है। हालांकि हाल के वर्षों में युवाओं की संख्या और ऊर्जा को देश की ताकत के तौर पर पेश किया गया और उन्हें विकास का बाहक बताया गया है, लेकिन अब अगर युवाओं का ज्यादातर हिस्सा बेरोजगारी की समस्या का सामना कर रहा है तो उसे कैसे देखा जाएगा? गौरतलब है कि मानव विकास संस्थान यानी आइएचडी के साथ मिल कर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ ने ''इंडिया एंप्लायमेंट रिपोर्ट 2024'' जारी की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में अगर बेरोजगार लोगों की कुल संख्या एक सौ है तो उसमें तिरासी लोग युवा हैं अगर देश की बेरोजगारी की तस्वीर में तिरासी फीसद युवा दिख रहे हैं, तो इससे कैसे देश की ताकत में इजाफा हो रहा है? भारत में बेरोजगारी की स्थिति पर तैयार इस अहम रिपोर्ट में कुछ विरोधाभासों पर भी गौर करने में मदद मिलती है। माना जाता है कि बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक शिक्षा और कौशल विकास के अभाव का भी नतीजा है। मगर आइएलओ की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के कुल बेरोजगार युवाओं की तादाद में करीब दो दशक पहले के मुकाबले अब लगभग दोगुनी बढ़ोतरी हो चुकी है। खासतौर पर कोरोना महामारी के असर वाले वर्षों में इसमें तेज गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2000 में पढ़े-लिखे युवा बेरोजगारों की संख्या रोजगार से वंचित कुल युवाओं में 35.2 फीसद थी, वहीं 2022 में यह बढ़ कर 65.7 फीसद हो गई। यह स्थिति तब है, जब इस अध्ययन में उन पढ़े- लिखे युवाओं को भी शामिल किया गया, जिन्होंने कम के कम दसवीं तक की शिक्षा हासिल की हो इस आलम एक जटिल स्थिति यह पैदा होती है कि जितने लोगों को रोजगार मिल सका, उनमें से नब्बे फीसद श्रमिक अनौपचारिक काम में लगे हुए हैं, जबकि नियमित काम का हिस्सा बीते पांच वर्षो में काफी कम हो गया है। हालांकि सन 2000 के बाद इसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। बेरोजगारी की दुखद तस्वीर के बीच एक खराब स्थिति यह है कि इस दौरान ठेकेदारी प्रथा में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठित क्षेत्रों में भी कुल कर्मचारियों का कुछ फीसद हिस्सा ही नियमित है और वे दीर्घकालिक अनुबंधों के दायरे में आते हैं। ऐसी स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि आजीविका से जुड़ी व्यापक असुरक्षा की स्थितियों का लोगों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता होगा। विडंबना यह है कि बढ़ती बेरोजगारी के साथ घटती आय का सामना कर रहे परिवारों में सीधा असर यह पड़ता है कि बच्चों और खासतौर पर लड़कियों की शिक्षा बाधित होती है। आखिर क्या कारण है कि देश में गरीब और हाशिये के तबकों के बीच दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ने की दर आज भी उच्च स्तर पर बनी हुई है?

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

रोजगार के अवसर

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) तथा मानव विकास संस्थान ने मिलकर एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें सन 2000 के बाद से भारत में रोजगार के उपलब्ध आंकड़ों का व्यापक विश्लेषण किया गया है। वर्ष 2012 तक यह सर्वे रोजगार और बेरोजगारी के सर्वेक्षणों पर निर्भर था और 2019 से 2022 तक के आंकड़ों के लिए रिपोर्ट ने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण को प्राथमिक स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया। चूंकि आंकड़ों के ये स्रोत पहले ही चर्चा का विषय बन चुके हैं इसलिए रिपोर्ट की विषयवस्तु हैः संगठित क्षेत्र में वास्तविक पारिश्रमिक में ठहराव, कृषि रोजगार की ओर वापसी और महिला श्रम भागीदारी दर जो पहले गिर रही थी लेकिन हाल के दिनों में उसमें इजाफा हुआ जिसकी वजह प्रमुख रूप से स्वरोजगार और बिना मेहनताने का घरेलू कामकाज है। जबकि इस बीच बड़ी तादाद में शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। आईएलओ ने दो अलग-अलग सर्वेक्षण को एक साथ लाकर अच्छा काम किया है परंतु आंकड़ों की सामान्य उपलब्धता को देखते हुए रिपोर्ट में सबसे अधिक रुचि उसके निष्कर्षों और अनुशंसाओं के कारण है। रिपोर्ट पांच प्राथमिकताओं को चिह्नित करती है। पहली उत्पादन और वृद्धि को और अधिक रोजगार आधारित बनाया जाना चाहिए। दूसरी, रोजगार की गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए और इसके लिए प्रवासन और नए दौर के क्षेत्रों मसलन केयर इकॉनमी (अनौपचारिक और अवैतनिक देखभाल की अर्थव्यवस्था मसलन महिलाओं द्वारा घर में किए जाने वाले काम) में निवेश करना होगा तथा श्रम अधिकार सुनिश्चित करने होंगे। तीसरी, श्रम बाजार की असमानताएं जो महिलाओं, युवाओं और हाशिये पर मौजूद समूहों के लोगों को प्रभावित करती हैं, उनके लिए नीतियां तैयार करना। चौथी प्राथमिकता है कौशल प्रशिक्षण और सक्रिय श्रम बाजार नीतियों को बढ़ावा देना। पांचवीं प्राथमिकता है रोजगार को लेकर बेहतर और अधिक आंकड़े। निस्संदेह इनमें से कई अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। शायद ही कोई होगा जो समय पर और बेहतर आंकड़ों की जरूरत से इनकार करेगा। कुछ आंकड़ों पर जब करीबी नजर डाली जाती है तो सवाल पैदा होते हैं। मसलन असमानता को सीधे तौर पर कैसे हल किया जा सकता है? यह स्पष्ट है कि महिलाओं के घर या कृषि से बाहर रोजगार बढ़ा पाने में कमी कई बार सांस्कृतिक कारणों से भी पैदा होती है और कई अन्य मामलों में ऐसा अनुकूल माहौल तथा कानून व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं की वजह से भी है। इसके लिए बहुत बड़े पैमाने पर सामाजिक सुधारों की आवश्यकता है। बहरहाल सबसे अधिक सटीक अनुशंसा यह है कि उत्पादन को और अधिक रोजगारपरक बनाने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र आधारित वृद्धि के रोजगार संबंधी लाभ रोजगार की मौजूदा चुनौतियों को पूरा कर पाने में सक्षम नहीं हैं। ऐसा इसलिए कि उद्योग और विनिर्माण में अपेक्षाकृत कम कुशल श्रमिक शामिल होते हैं जो खेती जैसे काम से बाहर निकलते हैं। इस दलील को रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन तथा अन्य लोगों के हालिया तर्कों से जोड़कर देखा जा सकता है जिनका कहना है कि भारत के भविष्य की वृद्धि सेवा क्षेत्र पर निर्भर होगी। यह दलील देने वालों का कहना है कि तकनीकी नवाचार और स्वचालन ने विनिर्माण को प्रभावित किया है।

ग्लोरी ग्रुप द्वारा शानदार रंग दे ग्लोरी कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

ग्लोरी ग्रुप द्वारा गुलाबगढ़ रिजॉर्ट में अपने दंपति सदस्यों के लिए ''रंग दे ग्लोरी'' होली कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे 190 सदस्यों ने परिवार सहित होली तथा अन्य खेल खेले और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। ग्रुप के अध्यक्ष पीयूष सोनी ने आमंत्रित अतिथि डॉ राजीव जैन ज्वाइंट सेक्रेटरी नॉर्दन रीजन जेएसजी का मल्यापर्ण कर स्वागत किया। सचिव हेमंत बड़जात्या ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद दिया। इस अवसर पर ग्रुप के कोषाध्यक्ष नयन सोगानी और कार्यक्रम संयोजक आशीष जैन, चंदप्रकाश डॉली पाटनी, प्रकाश अंजू जैन ने कार्यक्रम को बहुत ही उम्दा तरीके से संचालित किया। इस कार्यक्रम में जयपुर में पहली बार ड्रोन द्वारा रंगो के स्कायशॉट जिसमे एक साथ सभी सदस्यों ने स्कायशॉट चलाए और उसका ड्रोन द्वारा वीडियोग्राफी करी गई और एक पल के लिए आकाश को रंग बिरंगे रंगो से सरोबार कर दिया। एंकर शिखा जैन ने इस अवसर पर अपनी एंकरिंग से सभी सदस्यों के बीच एक समा बांध दिया। ग्रुप ने पिछले माह क्लब नियो में किए गए सफल कार्यक्रम के बाद यह एक और सफल आयोजन कर समाज में एक अलग ही स्थान अर्जित कर लिया ।

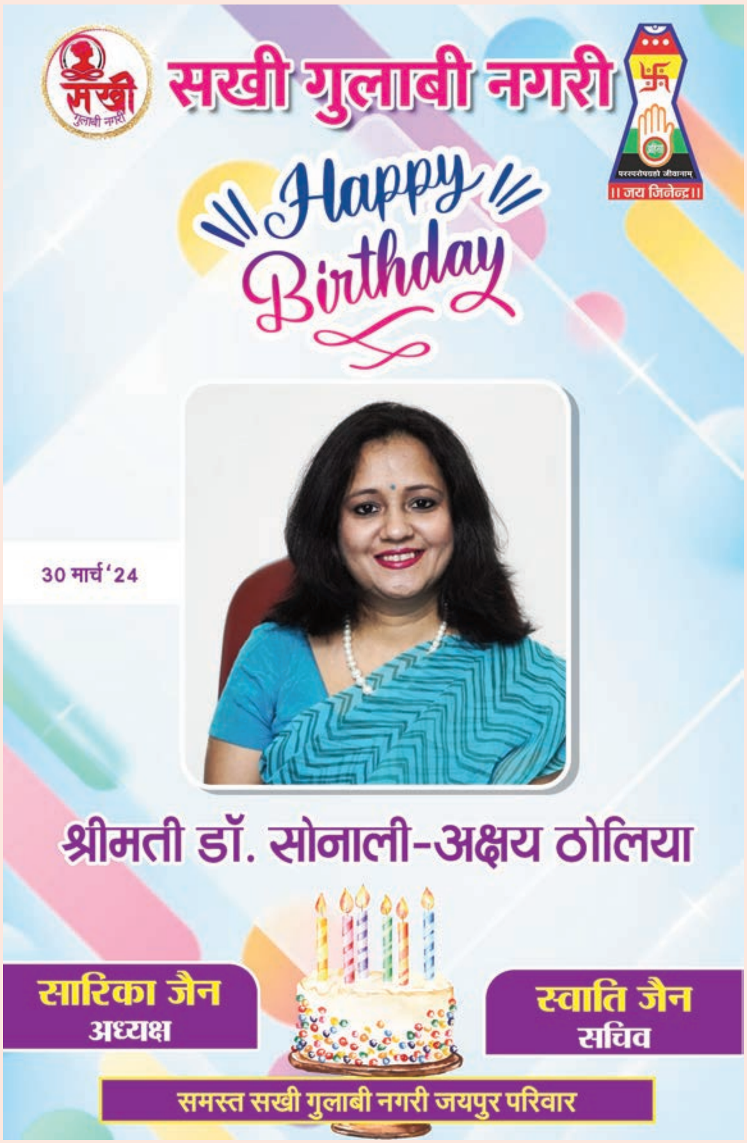
सखी गुलाबी नगरी
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
॥ जय जिनेन्द्र ॥
Happy Birthday
30 मार्च '24
श्रीमती डॉ. सोनाली-अक्षय ठोलिया
सारिका जैन
अध्यक्ष
स्वाति जैन
सचिव
समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

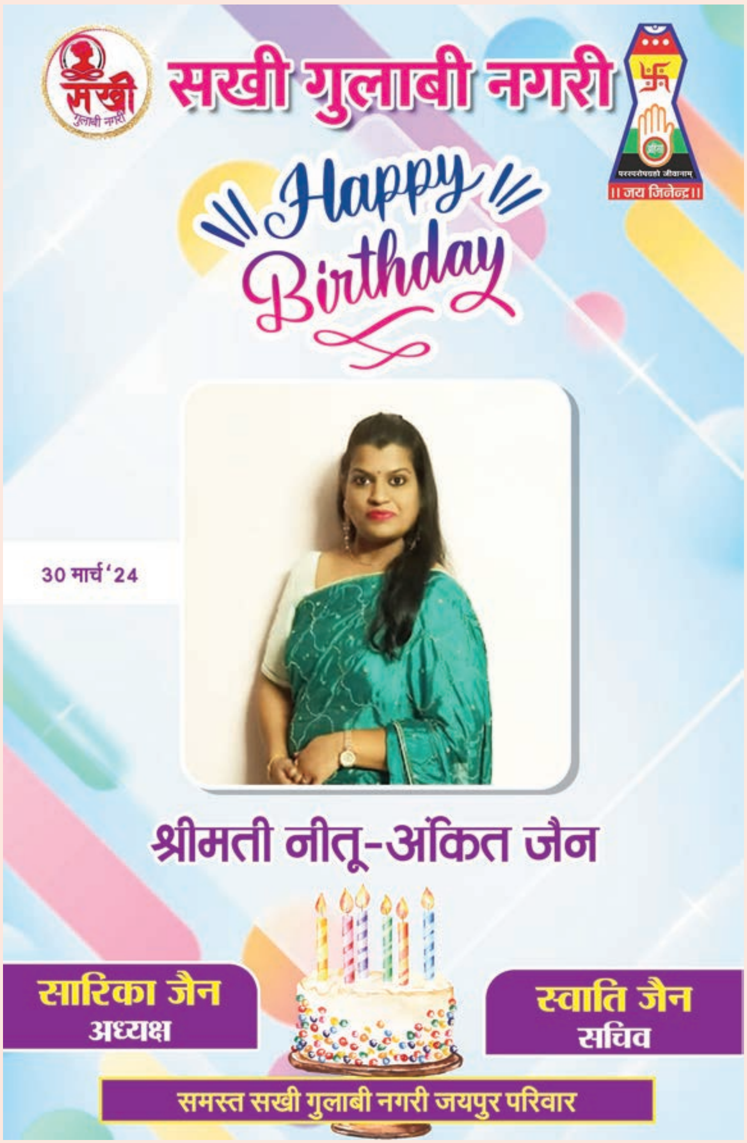
सखी गुलाबी नगरी
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
॥ जय जिनेन्द्र ॥
Happy Birthday
30 मार्च '24
श्रीमती नीतू-अंकित जैन
सारिका जैन
अध्यक्ष
स्वाति जैन
सचिव
समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

॥ श्री आदिनाथाय नमः॥

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर, जयपुर

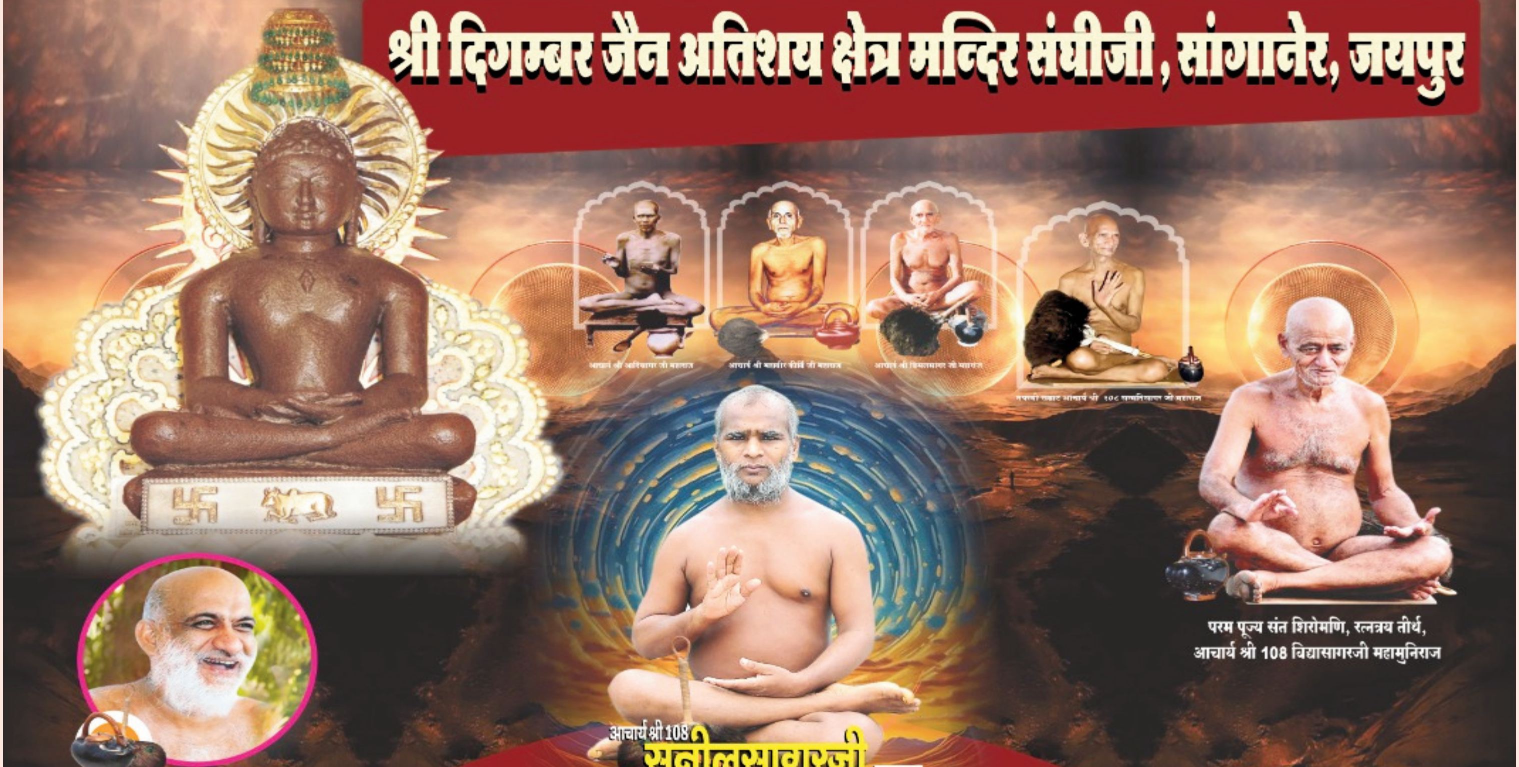

परम पूज्य संत शिरोमणि, रत्नत्रय तीर्थ,
आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज

आचार्य श्री 108
सुनीलसागरजी महाराज

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव
श्री 108 सुधासागरजी महाराज

परम पूज्य मुनिकुंजर आचार्यश्री 108 आदिसागरजी महाराज (अंकलीकर) के चतुर्थ पट्टाधीश एवं
परम पूज्य आचार्यश्री 108 सन्मति सागर जी के सुयोग्य शिष्य परम पूज्य आचार्यश्री 108
सुनीलसागरजी महाराज संसघ (लगभग 35 पीछी)
के पावन सानिध्य में एवं संत शिरोमणी आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य,
सांगानेर तीर्थ जीर्णोद्धारक निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज ससंघ के पावन आशिर्वाद से

श्री आदिनाथ जन्मोत्सव
कलशारोहण एवं भव्य रथयात्रा महोत्सव
(रविवार, दिनांक 31 मार्च से बुधवार दिनांक 3 अप्रेल 2024)

साधर्मी बन्धुओं,

यह हम सब का सौभाग्य एवं बडे हर्ष का विषय है कि परम पूज्य मुनिकुंजर आचार्यश्री 108 आदिसागरजी महाराज (अंकलीकर) के चतुर्थ पट्टाधीश एवं परम पूज्य आचार्यश्री 108 सन्मति सागर जी के सुयोग्य शिष्य परम पूज्य आचार्यश्री 108 सुनीलसागरजी महाराज संसघ (लगभग 35 पीछी) के पावन सानिध्य में एवं संत शिरोमणी आचार्यश्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम शिष्य, सांगानेर तीर्थ जीर्णोद्धारक निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज ससंघ के पावन आशीर्वाद से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर देवाधिदेव भगवान ऋषभदेवजी (आदिनाथजी) का जन्म जयन्ती महोत्सव बुधवार, दिनांक 3 अप्रेल 2024 को बडे धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसमें निम्न त्रिदिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। पधारकर धर्मलाभ अर्जित करें।

-:: कार्यक्रम ::-

रविवार, दिनांक 31 मार्च, 2024

प्रातः 7.30 बजे
देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथ भगवान
का कलशाभिषेक एवं शान्तिधारा
प्रातः 10.00 बजे से -
विशाल रक्तदान शिविर
(जैन सोश्यल ग्रुप महानगर जयपुर द्वारा)
रात्रि 8.00 बजे से
ऋद्धि-सिद्धि मंत्रों द्वारा 48 दीपकों से
भक्तामर अनुष्ठान (साजो संगीत द्वारा)

मंगलवार, दिनाक 2 अप्रैल, 2024 -

प्रातः 7.30 बजे से - देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथ भगवान
का कलशाभिषेक एवं शान्तिधारा
प्रातः 8.30 बजे-पूज्य आचार्य श्री 108 सुनीलसागरजी महाराज
ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश,
मांगलिक प्रवचन एवं संघ की आहार चर्या,
दोपहर 1.15 बजे- भक्तामर विधान
(साजो संगीत द्वारा)
सायं 7.30 बजे - भव्य रोशनी द्वारा मन्दिरजी
की सजावट एवं 2100 दीपकों द्वारा दीपोत्सव

बुधवार, दिनांक 3 अप्रेल 2024 -

प्रातः 7.15 बजे-भव्य लवाजमें के साथ रथयात्रा महोत्सव
(मन्दिर संघीजी से प्रस्थान कर सांगानेर के प्रमुख मार्गों
पर से होते हुये सी.टी.बस स्टेण्ड से मन्दिर संघीजी में वापसी)
प्रातः 8.30 बजे - झण्डारोहण
प्रातः 9.15 बजे - देवाधिदेव श्री 1008 आदिनाथ
भगवान का कलशाभिषेक
एवं शान्तिधारा तत्पश्चात आचार्यश्री
सुनीलसागरजी महाराज के मांगलिक प्रवचन एवं
विशेष अतिथियों का स्वागत सम्मान समारोह
प्रातः 11.15 बजे - आचार्य संघ की आहार चर्या
सायंकाल - 1008 दीपकों से संगीतमय सामूहिक आरती
एवं भव्य रोशनी द्वारा मन्दिर जी की सजावट

नोट - रथयात्रा में सभी पुरूष वर्ग सफेद वस्त्र एवं महिला वर्ग केसरिया साडी में सम्मिलित होवे।

सहयोगी संस्था : श्री आदिनाथ महिला मण्डल
श्री विद्यासागर बहु मण्डल • श्री सुधासागर नवयुवक मण्डल

सम्पर्क सूत्रः 0141-2731952

निवेदक : प्रबन्धकारिणी कमेटी, श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी, सांगानेर

लेडीज यूथ सर्वोदय महिला मंडल ने होली स्नेह मिलन मनाया

अजमेर. शाबाश इंडिया

सर्वोदय कॉलोनी की लेडीज यूथ महिला मंडल ने होस्ट अंतिमा गदिया के निवास स्थान पर होली मिलन बड़े उत्साह के साथ मनाया रेणु पाटनी ने बताया कि सभी के लच्छा बांधकर व टीका लगाकर स्वागत किया गया ।णमोकार का पाठ किया और होली पर फागुन के गीत गाए, रंग और फूलों से होली खेली गई। होस्ट अंतिमा ने आकर्षक गेम खिलाए। जिसमें रेनू पाटनी , वर्षा बडजात्या, अंजु पाटनी, रीना दोषी, रीना सेठी , डिम्पी बडजात्या, रेखा बाकलीवाल विजेता रही। सभी विजेताओं को गिफ्ट दिये गये। माया गदिया, अनिता सौगानी, कविता पहाडियां भी मोजूद रही। बाद में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। बीना गदिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल का होली समारोह आयोजित

WE SERVE
LIONS CLUB JAIPUR SPARKLE
Shot on OnePlus

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की मासिक मीटिंग णमोकार रेस्टोरेंट (पापी पेट) में आयोजित की गई, जिसमे क्लब की लगभग सभी सदस्य उपस्थिति रही। उक्त मीटिंग के साथ होली मिलन का आयोजन किया गया, सभी का गुलाल का टीका लगाकर स्वागत किया गया, गिफ्ट बांटे गए। होली पर विशेष हाउजी खेली गई, अन्य गेम खेले गए व होली के गीत गाए।अंत में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया गया। मीटिंग में आगामी सेवाकार्यों पर भी चर्चा की गई।सचिव द्वारा मार्च माह के सेवा कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक
R K GROUP
lasting impressions
Kishangarh, Rajasthan
www.rkmarble.com | www.wondercement.com
WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAT

सह प्रायोजक
ARL
ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक
समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से
रक्तदान शिविर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2550 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
1.	31 मार्च	प्रातः 10 से 2 बजे तक	शुभम केयर हॉस्पिटल, 201, गिरिराज नगर, इस्कॉन रोड, मुहाना मंडी रोड, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर, जयपुर शुभम केयर हॉस्पिटल, जयपुर	श्रीमती सुशीला बडजात्या	श्री महावीर पांड्या	--	श्री देवेन्द्र जैन श्री कैलाश पाटनी
2.	31 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी, सीटीएस बस स्टेंड, सांगानेर, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघी जी सांगानेर,जयपुर जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर	श्री महावीर बज श्री संजय जैन आवा	श्री नरेन्द्र पांड्या श्री सुनील गंगवाल	--	--
3.	31 मार्च	प्रातः 9 से 1 बजे तक	महाप्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल, ज्ञान विहार, निर्माण नगर, जनपथ, जयपुर	जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी	श्री प्रकाश-लीला अजमेरा	श्री पवन-रीटा पाटनी	श्रीमती सुमित्रा देवी जैन श्रीमान धर्मचंद-रूचि पाटनी	श्री दिलीप-नमिता टकसाली श्री मनोज-मनीषा सोगानी श्री सुनील-उर्मिला टोंग्या श्री प्रकाश-बीना डुंडिया
4.	31 मार्च	प्रातः 9 से 2 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर लांगडियावास	बाकलीवाल परिवार लांगडियावास वाले	--	--	--	श्री प्रदीप कुमार जैन श्री मनीष जैन

आयोजन समिति
दर्शन बाकलीवाल - मुख्य समन्वयक
राकेश गोदिका - मुख्य समन्वयक
सुरेन्द्र पाण्ड्या - परामर्शक
राजेश गंगवाल - परामर्शक
विनोद तिजारिया - परामर्शक
दिनेश गंगवाल - परामर्शक
संजय छाबड़ा - समन्वयक
राकेश संघी - समन्वयक
अनिल संघी - समन्वयक
चक्रेश जैन - समन्वयक
अनिल रावंका - समन्वयक
सुनील गोदिका - समन्वयक
राजेश छाबड़ा - समन्वयक
राजीव जैन - समन्वयक
कमल ठोलिया - सह-समन्वयक
प्रदीप जैन बाकलीवाल - सह-समन्वयक
अनिल जैन चौधरी - सह-समन्वयक
नितेश पाण्ड्या - संयोजक
सपन छाबड़ा - संयोजक
सुधीर गोधा - संयोजक
श्रीमती नीरा लुहाडिया - संयोजक
सम्पर्क सूत्र :: 9414078380
9414073035 9785074581
9829594488, 9414041225

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
मनीष-शोभना लोंग्या - अध्यक्ष
राकेश-समता गोदिका - संस्थापक अध्यक्ष
सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या - संरक्षक
दर्शन-विनिता जैन - संरक्षक
विनोद-शशि तिजारिया - संरक्षक
राजेश-जैना गंगवाल - संरक्षक
दिनेश-संगीता गंगवाल - परामर्शक
राजेश-रानी पाटनी - सचिव
संजय-ज्योति छाबड़ा - वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राकेश-रेणु संघी - वरिष्ठ उपाध्यक्ष
चक्रेश-पिंकी जैन - उपाध्यक्ष
विनोद-हेमा सोगानी - उपाध्यक्ष
अनिल-निशा संघी - उपाध्यक्ष
सुनील-सुनीता गोदिका - उपाध्यक्ष
राजेश-रितु छाबड़ा - संगठन सचिव
अनिल-अनिता जैन - संगठन सचिव
प्रदीप-प्राची बाकलीवाल - संयुक्त सचिव
चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल - संयुक्त सचिव
कमल-मंजु ठोलिया - सांस्कृतिक सचिव
राजेन्द्र-कुसुम जैन - खेल सचिव
दिलीप-प्रमिला जैन - कोषाध्यक्ष
कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ✻ डॉ अनुपम-विनीता जैन ✻ नितेश-मीनू पाण्ड्या ✻ सपन-रजनी छाबड़ा ✻ पंकज-नीना जैन
विशेष आमंत्रित : अनिल-प्रेमा रांवका, अशोक-अर्चना पाटनी ✻ अशोक सेठी

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर
राजेश बड़जात्या - अध्यक्ष
निर्मल संघी - महासचिव
अनिल जैन IPS - संस्थापक अध्यक्ष
सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या - परामर्शक
नवीन सेन जैन - परामर्शक
यश कमल अजमेरा - निर्वतमान अध्यक्ष
अतुल बिलाला - पूर्व अध्यक्ष
सुनिल बज - कार्याध्यक्ष
सुरेश जैन (बांदीकुई) - कार्याध्यक्ष
पारस कुमार जैन - कोषाध्यक्ष

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में
भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2024
(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोग करने वाली समस्त संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा)
शनिवार, 20 अप्रेल 2024
सायं 7.00 बजे से
छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

तीर्थंकर श्री अनन्त नाथ जी भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कार्यकारणी एवम श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट हीरा पथ मानसरोवर जयपुर द्वारा आज मंदिर जी में देवाधिदेव तीर्थंकर श्री अनन्त नाथ जी भगवान के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर श्री जी का निर्वाण लड्डू चढ़ाने का पुण्य संजय ,रिषभ लुहाडिया परिवार ने प्राप्त किया। ट्रस्टी देवेंद्र छाबड़ा ने बताया कि इस अवसर पर समाज के कल्याण मल, मुकेश,शांति,पवन, महावीर, पंकज, पवन, राजेंद्र एवम अन्य अनेक श्रावक मौजूद थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से

आत्म विश्वास ही सबसे बड़ी सुरक्षा है और अविश्वास सबसे बड़ी असुरक्षा..

इस एहसास को अपने जहन में भर लें कि हम अकेले आये हैं और अकेले ही जायेंगे। आपकी ज़िन्दगी ही आपका सफर है,, यदि इस सफर में आप अपनों के साथ चलने की उम्मीद करते हैं या रखते हैं, तो आप सफल यात्री नहीं है। अपने मन से इस गलतफहमी को दूर करना होगा, कि आपकी कोई मदद करेगा। यह कड़वा सच है कि आपकी खुशी में किसी का कोई भी योगदान नहीं है, वनस्पत खुद के। जो भी सुख-दुःख मिल रहा है, खुशी-आंसू मिल रहे हैं, अपने - पराये हो रहे हैं, वो सब आपके ही कारण से हो रहे हैं। इसलिए हम जितना बिन अपेक्षा का जीवन जीयेंगे, उतना ही सुख शान्ति से समृद्ध होंगे। ये दुनिया आप पर कभी भरोसा करने वाली नहीं है, और यदि भरोसा कर भी लेगी तो उससे जल्दी भरोसा तोड़ भी देगी। इसलिए उनके भरोसे और अपनों के भरोसे अपना अच्छा खासा जीवन खराब मत करो। खुद का भरोसा इस जीवन से पार लगायेगा, अन्यथा आपके अपने लोग ना जीने देंगे, ना मरने...।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

डोलफिन वाटरप्रुफिंग
एडवांस टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।
छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण
For Your New & Old Construction
Rajendra Jain
80036-14691
Dr. Fixit Authorised Project Applicator
DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur
तिजारा जैन मंदिर
श्री महावीरजी
संघी जी मंदिर, सांगानेर
पद्मपुरा बाड़ा राजस्थान
DR. FIXIT
Pidilite
WATERPROOFING EXPERT

चाकसू में होगा गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का मंगल प्रवेश

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा अनेकों भक्तों की भक्ति के प्रभाव से सम्यग्दर्शन के अष्टम प्रभावना अंग को प्राप्त हो रही है। प्रताप नगर से. 8, जयपुर की महिला मण्डल ने क्षेत्र के दर्शनों का लाभ प्राप्त किया। गुरुभक्त पद्मचन्द राजमति पाटनी विवेक विहार, जयपुर ने गुरुमाँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - जब-तक दूसरों से अपेक्षा करते रहोगे तब तक विश्वास मानना तुम्हारी उपेक्षा होती रहेगी। नहीं आया माँ समझ में जब तक हम दूसरों से अपेक्षा करते रहेंगे कि वह मुझे सम्मान दे, वह मुझे ऐसा करे, मेरे साथ ऐसा हो, तब तक विश्वास मानना तुम्हारी उपेक्षा होनी निश्चित हैं और अपेक्षा की उपेक्षा हुई कि दुःख हुआ, चिंता प्रारंभ हुई। होता ही है, मैंने तो उसके लिये इतना सारा किया, मैंने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा किया, बच्चे ने घर से निकाल दिया अपेक्षा है, ये अपेक्षा है। यही चिंता की जननी है। आगामी 30 मार्च 2024 को गुरुमाँ ससंघ का मंगल विहार होने जा रहा है। सुबह 8.30 बजे आर्यिका ससंघ का चाकसू में भव्य मंगल प्रवेश होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संस्कार सीनियर सेकेंडरी स्कूल तलवाड़ा खुर्द में प्ले वे स्कूल का शुभारंभ

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। खंड के गांव तलवाड़ा खुर्द के संस्कार सीनि सीसीयर सेकेंडरी स्कूल में आज विद्यालय के प्रांगण में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के चरण डलवाए गए और सुखमणि साहिब का पाठ संपन्न हुआ। पाठ के उपरांत विद्यालय की होनहार पूर्व छात्रा सी ए. रिया मेहता के कर कमलों द्वारा विद्यालय में पले वे स्कूल का शुभारंभ किया गया। लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थिती दर्ज करवाई।इस अवसर पर उपस्थित जन समूह ने विद्यालय के प्ले वे विंग का अवलोकन किया तथा उसमें होने वाली गतिविधियों का अवलोकन करके विधालय की भूरी भूरी प्रशंसा की। उसके पश्चात उपस्थित जनों ने लंगरका प्रसाद ग्रहण किया।गांव के सरपंच व क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में विद्यालय की नन्ही-नहीं छात्राओं द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई।विधालय प्राचार्य ने विधालय के उद्देश्यों को उपस्थित जन समूह के सम्मुख प्रस्तुत किया तथा उपास्थित जनों का आभार प्रकट किया।इस कार्यक्रम मेआये हुए अभिभावक गण भाव विभोर हो गए।

जनकपुरी में जैनधर्म के 14वें तीर्थंकर देवाधिदेव श्री 1008 अनन्त नाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में शुक्रवार को भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ चौदहवें तीर्थंकर भगवान अनन्त नाथ के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की वर्तमान युग (अवसर्पिणी) के चौदहवें तीर्थंकर अनन्तनाथ थे। इनका जन्म राजा सिंहसेन और रानी सुयशा के यहाँ हुआ था। इनका निर्वाण शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर से हुआ था। प्रातः अभिषेक शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड वाचन कर भगवान के निर्वाण कल्याणक का लाडू समर्पित कर सामूहिक रूप से धर्म प्रभावना के साथ मनाया गया जिसमे समाज के गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर, जयपुर
शुभम केयर हॅास्पिटल, जयपुर द्वारा
Shubham CARE HOSPITAL Your Trust Our Care
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
प्रातः 10 से 2 बजे तक
रविवार, 31 मार्च 2024
स्थानः- शुभम केयर हॉस्पिटल,
201, गिरिराज नगर, इस्कॉन रोड,
मुहाना मंडी रोड, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
संयोजक देवेन्द्र जैन 9950237722
संयोजक कैलाश पाटनी 9460380846
अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या
सचिव महावीर पांड्या
निर्मल सेठी कोषाध्यक्ष
सुनील बज निवर्तमान अध्यक्ष
अनिल जैन संस्थापक अध्यक्ष
सुरेन्द्र जैन पांड्या संरक्षक
पदम भावसा विशिष्ट परामर्शक
मृदुला पांड्या परामर्शक
महेन्द्र पाटोदी परामर्शक

'सोलर मेन ऑफ इंडिया' का मिशन 2030

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आप हम सप्ताह में महज एक दिन बिना प्रेस के कपड़े पहकर, बिना साबुन–शम्पू और बिना गर्म किए पानी से नहाकर, बिना पका खाना खाकर और बिना मोटर साइकिल के दफ्तर जाकर, ऊर्जा की बड़ी खपत बचा सकते हैं। ये मानना है आईआईटी मुंबई के प्रो. चेतन सिंह सोलंकी का, जो देशभर में 'सोलर गांधी' और 'सोलर मेन ऑफ इंडिया' के नाम से विख्यात हैं। शुक्रवार को उदयपुर के विद्या भवन पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट में आयोजित पत्रकार वार्ता में अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के माध्यम से देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकता है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए ऊर्जा उपभोग को नियंत्रित करना पड़ेगा। इसके लिए हर व्यक्ति को न्यूनतम ऊर्जा खपत करने की शपथ लेनी होगी व उसी अनुरूप जीवन शैली बनानी होगी। अपनी ऊर्जा खपत को निरंतर बढ़ाते जाना तथा उस अनुपात में सोलर पावर पैदा करने के साधन लगाना न ऊर्जा स्वराज नहीं है। हर परिवार सहित पूरे देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने व देश में ऊर्जा स्वराज लाने के लिए प्रो सोलंकी ने एएमजी सूत्र अर्थात एवॉइड, मिनिमाइज तथा जनरेट को समझाते हुए कहा कि एक तिहाई ऊर्जा, जो हम अनावश्यक रूप में खर्च करते हैं, उसे एवॉइड कर लें व एक तिहाई मामलों में ऊर्जा खपत को मिनिमाइज कर लें, तो मात्र एक तिहाई ही सोलर ऊर्जा जनरेट करनी पड़ेगी। हर व्यक्ति, हर परिवार इस तरह सोलर पावर पैदा कर उपयोग करे तो देश के स्तर पर कोयला आधारित बिजली उत्पादन नहीं करना पड़ेगा, जिससे ट्रांसमिशन के लिए ट्रांसफार्मर, ग्रिड, तारों जैसे कई उपकरणों, साधनों की जरूरत न्यूनतम हो जायेगी। परिवार के स्तर पर भी पैनल, बैटरी इत्यादि साधनों की जरूरत व खर्च कम हो जायेंगे और वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की हानि भी नहीं होगी। अपनी इस मुहिम को लेकर प्रो. चेतन सिंह सोलंकी अपनी बस से ग्यारह वर्षों की ऊर्जा स्वराज यात्रा पर हैं। करोड़ों लोगों को इस अभियान से जोड़ते हुए पचपन हजार किलोमीटर की यात्रा कर चुके प्रो. सोलंकी वर्ष 2030 तक इसी बस में रहते हुए ऊर्जा स्वराज को देश के घर–घर तक ले जाएंगे। इस दौरान उदयपुर के जागरूक युवा व पर्यावरण प्रेमी भी उपस्थित रहे।

–कपिलदेव शर्मा,
न्यूज एडिटर, राइटर

विश्रेय श्री माता जी के सानिध्य में जगत कल्याण की कामना के लिए की गई भगवान पार्श्वनाथ की आराधना

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह ।इलाके के परेड चौराहे पर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन साध्वी विश्रेय श्री माता जी सानिध्य में शुक्रवार को विश्व शांति जन कल्याण की कामना के लिए श्री कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान की पूजा अर्चना की गई दिन में कालसर्प दोष निवारण के लिए अनुष्ठान हुए वहीं शाम को नाटिका प्रस्तुत कर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया गया। इससे पहले विधानाचार्य के सानिध्य में भगवान श्री पारसनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर उनका अभिषेक किया गया कालसर्प दोष निवारण के लिए सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रावक श्राविकाओं का तांता लगाना शुरू हो गया। हाथों में पूजा की थाली, शरीर पर पीत व स्वेत वस्त्र एवं सिर पर मुकुट लगाए श्रावक भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ के अभिषेक के लिए वेदी पर एकत्रित हो गये और पूर्ण श्रद्धाभक्ति के साथ जल से भगवान का अभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में कालसर्प दोष निवारण के अनुष्ठान हुए। जिनमें मंत्रोंच्चार के साथ श्रावक श्राविकाओं ने श्रीफल व अक्षत व द्रव समर्पित किए। मंदिर में हुए पूजा विधान में श्राविकाओं के उत्साह का अतिरेक देखते ही बन रहा था। वे रह रह कर मंदिर परिसर में नाच गाकर भगवान की भक्ति के प्रति उमंग प्रदर्शित कर रहे थे।

भगवान महावीर के 2622वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में
मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT
सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत
जैन सोशल ग्रुप राजधानी, जयपुर द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
प्रातः 9 से 1 बजे तक
रविवार, 31 मार्च 2024
स्थान:- महाप्रज्ञा इंटरनेशनल स्कूल,
ज्ञान विहार, निर्माण नगर, जनपथ जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
अध्यक्ष प्रकाश-लीला अजमेरा
संस्थापक अध्यक्ष सुनील-आरति पहाड़िया
सचिव पवन-रीटा पाटनी
मुख्य संयोजक दिलीप-नमिता टकसाली
संयोजक मनोज-मनीषा सोगानी
संयोजक सुनील-उर्मिला टोंग्या
संयोजक प्रकाश-बीना डुंडिया
पुण्यार्जक: स्व. श्री महावीर प्रसाद जी पाटनी की पुण्य स्मृति में श्रीमती सुमित्रा देवी जैन (धर्मपत्नि), श्रीमान धर्मचन्द जी रूची जी पाटनी (पुत्र-पुत्र वधू), सुजानगढ़ वाले

ऋषभदेव जन्म जयन्ती महोत्सव "प्रथमेश 2024" का आगाज 31 मार्च से

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सकल जैन समाज के अग्रणी संगठन श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान की ओर से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान ऋषभदेव जन्म जयन्ती महोत्सव ''प्रथमेश 2024'' का आगाज 31 मार्च से होगा। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में संस्थान के संरक्षक पारस जैन सिंघवी ने बताया कि आगामी रविवार सुबह 9 बजे नगर की सभी जैन पाठशाला के विद्यार्थियों हेतु आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के जीवन पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभा सम्मान सेक्टर 3 स्थित नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित होगा,वहीं शाम 6 बजे आस्था का एक दीप, संत शिरोमणी के नाम दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आर. के. सर्कल पर होगा। संस्थान अध्यक्ष निर्मल कुमार जैन मालवी ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम 3 अप्रैल को नगर निगम प्रांगण, टाऊनहॉल में आयोजित होगा, जिसमें सुबह 7 बजे भव्य शोभायात्रा में मुनिश्री अनुचरण सागर, आर्यिका नमनश्री एवं आर्यिकाश्री विनयप्रभा माताजी का सान्निध्य प्राप्त होगा। शोभायात्रा में मुख्य आकर्षण वाहन रैली, घोड़े, हाथी, बग्गियां एवं मनमोहक झांकिया रहेगी। कार्याध्यक्ष शांतिलाल जैन गांगावत ने बताया कि शोभायात्रा टाऊनहॉल से सूरजपोल चौराहा, अस्थल मन्दिर, मार्शल चौराहा, लखारा चौक, धानमण्डी, देहलीगेट, बैंक तिराहा, बापू बाजार से होकर पुनः नगर निगम पहुंचेगी। शोभायात्रा में पुरुष श्वेत वस्त्र एवं महिलाएं केसरिया वेशभूषा में रहेगी। शोभायात्रा के पश्चात आयोजित धर्मसभा में संतों के मंगल प्रवचन होंगे। तत्पश्चात सकल जैन समाज का भव्य स्वामीवात्सल्य होगा। बता दें, कार्यक्रम में श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान की नवीन कार्यकारिणी का शपथग्रहण भी होगा। महामंत्री डॉ. राजेश जैन देवड़ा ने सकल जैन समाज को अपने प्रतिष्ठान दोपहर 12 बजे तक बंद रखने का आह्वान किया है। कार्यक्रम के ध्वजारोहणकर्ता पुष्पादेवी नागदा परिवार होंगे, साथ ही समारोह गौरव कमल कुमार दोशी, समारोह अध्यक्ष ऋषभ जसिंगोत एवं मुख्य अतिथि मनीष सोनी होंगे। कार्यक्रम में श्री मेवाड़ समाज गौरव अलंकरण उद्योगपति एवं समाजसेवी सुरेश पद्मावत को, श्री समाज गौरव अलंकरण राहुल जैन आईएएस एवं श्री मेवाड़ जैन युवा गौरव अलंकरण एवं युवाउद्यमी एवं समाजसेवी अमित लोलावत को प्रदान किया जाएगा। मंत्री गौरव जैन गनोडिया ने बताया कि शाम 7 बजे भक्ति संध्या 'एक शाम आचार्य श्री विद्यासागर के नाम' का आयोजन नगर निगम प्रांगण में होगा। समारोह के गौरव एवं प्रायोजक पुष्पेन्द्र जैन पेरागोन मोबाईल, नारी गौरव प्रीति सोगानी विट्टी इन्टरनेशनल, अतिथि पुष्कर वेलावत एवं विशिष्ठ अतिथि कान्तिलाल रत्नावत, सीए अरुण रत्नावत एवं आशीष रत्नावत होंगे। सम्पूर्ण कार्यक्रम को लेकर अलग अलग संयोजन मंडल द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली है। संयोजन मंडल में हेमेन्द्र दामावत, राजेश गदावत, पारस कुणावत, अनिल चित्तौड़ा, दिनेश वजुवावत, विमल नाथूत, अरुण लूणदिया, प्रीतेश जैन, मनोज चम्पावत आदि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान के कई सदस्यों की टीम पिछले एक माह से कार्य कर रही है।

-रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा

गुलाबीनगर ग्रुप की कार्यकारिणी की मीटिंग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर की नई कार्यकारिणी की प्रथम मीटिंग दिनाँक 28 मार्च 2024 को साँय 8.00 बजे श्रीमती सुशीला विनोद बड़जात्या के निवास स्थान पर आयोजित की गयी।मंगलाचरण के साथ मीटिंग की कार्यवाही शुरू हुई। महावीर पांड्या सचिव ने गत मीटिंग की कार्यवाही का पठन किया।अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बड़जात्या ने बताया कि 04 फरवरी को नई कार्यकारिणी की शपथ के पश्चात ग्रुप का प्रथम कार्यक्रम ग्रुप के सहयोग से 25 फरवरी को शुभम केअर हॉस्पिटल, गिरिराज नगर में निःशुल्क रोग जांच व फिजियोथेरेपिस्ट कैम्प लगाया, जिसमे 103 व्यक्तियों ने लाभ लिया। 03 मार्च को फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन में ग्रुप के 18 सदस्यों ने शानदार बैनर प्रेजेंटेशन किया तथा बड़े बाबा का दर्शन लाभ लिया व 4 मार्च को आस पास की एक दिवसीय धार्मिक यात्रा की। ग्रुप द्वारा वर्ष 2023 में किये गये कार्यक्रम के लिए फेडरेशन द्वारा ग्रुप को श्रेष्ठ गतिविधियों मे धर्मिक यात्रा, मनोरंजन यात्रा,मानव सेवार्थ व अन्य गतिविधियों में पर्यावरण , पुण्य स्मृति का ससम्मान प्रदत अवार्ड दिया। सचिव विनोद बड़जात्या को श्रेष्ठ सचिव का अवार्ड दिया। सभी सदस्यों ने निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज व सचिव विनोद बड़जात्या का सम्मान किया। ग्रुप के आगामी कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। ग्रुप का आगामी कार्यक्रम दिनाँक 06अप्रैल 2024 शनिवार को होना निश्चित किया गया है ।

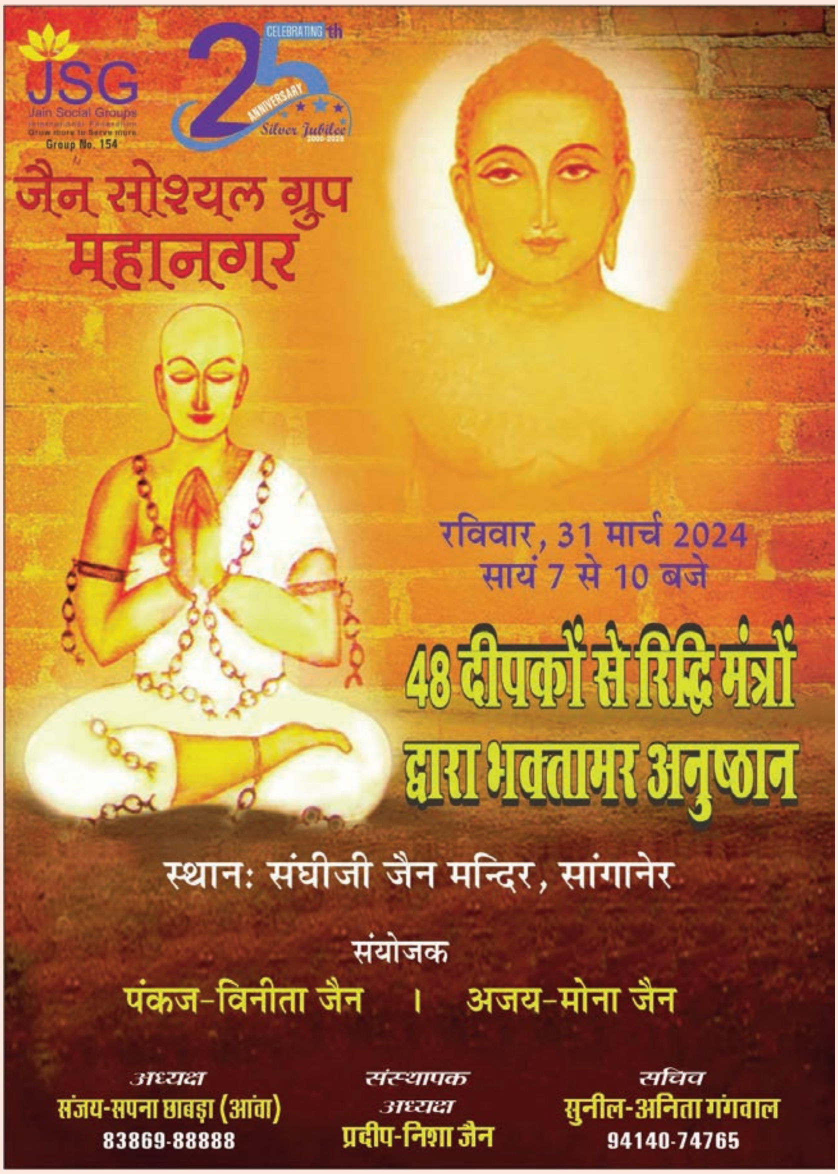

जैन सोशयल ग्रुप
महानगर

रविवार, 31 मार्च 2024
सायं 7 से 10 बजे

48 दीपकों से रिद्धि मंत्रों
द्वारा भक्तामर अनुष्ठान

स्थान: संघीजी जैन मन्दिर, सांगानेर

संयोजक
पंकज-विनीता जैन । अजय-मोना जैन

अध्यक्ष
संजय-सपना छाबड़ा (आंवा)
83869-88888

संस्थापक
अध्यक्ष
प्रदीप-निशा जैन

सचिव
सुनील-अनिता गंगवाल
94140-74765

संदर्भ : 30 मार्च, राजस्थान दिवस…

आज 75 बरस का हुआ राजस्थान!

RAJASTHAN DIWAS 2024

खम्मा घणी मरुधरा… खम्मा घणी देश की शान!

इंग्लैण्ड के लोकप्रिय कवि किप्लिंग के अनुसार, 'दुनिया में अगर कोई ऐसा स्थान है, जहां वीरों की हड्डियां मार्ग की धूल बनी हैं तो वह राजस्थान कहा जा सकता है…' यह सच है…राजस्थान की विश्वस्तर पर अपनी अलग पहचान है…अतीत के झरोखों से इसे देखें या वर्तमान के खुले वातायन से इसे निहारें… यह हर तरह से अद्भुत अनूठा है।

कुछ रोचक तथ्य

नव संवत्सर का तोहफा

30 मार्च 1949 को राजस्थान राज्य बनने की औपचारिक घोषणा सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की। दरअसल उस दिन भारतीय नवसंवत्सर की शुरूआत का शुभ दिन था। विक्रम संवत 2006, चैत्र शुक्ल एकम!

राजा हनवंत की कलम पिस्टल!

जोधपुर के राजा हनवंतसिंह आसानी से अपनी रियासत नहीं सौंप रहे थे। गिरफ्तार करने की नौबत आगई। ततकालीन कमिश्नर वीके मेनन से कहासुनी हुई और राजा ने दस्तखत के लिए जेब से कलम निकाली। हस्ताक्षर करने के बजाय कलम को मेनन की ओर तान दिया। दरअसल यह पिस्टल भी थी। इतिहास के अनुसार तब लार्ड माउंटबेटन ने झगड़े का निपटारा करवाया और राजा को रियासत विलय के लिए राजी किया। माउंटबेटन ने यह कह राजा से पिस्टल लेली कि यह बड़ी आकर्षक है, इसे मैं रख लेता हूं। वह कलम पिस्टल आज भी लंदन म्यूजियम में सुरक्षित है। आजादी से पहले राजस्थान को ''राजपूताना'' के नाम से जाना जाता था। इतिहासकारों का मानना है कि जार्ज थॉमस ने साल 1800 ईसा में 'राजपूताना' नाम दिया था। कुछ इतिहासकारों का दावा है कि कर्नल जेम्स टॉड ने इस राज्य का नाम राजस्थान रखा। राजाओं के निवास प्रांत के कारण ही राजस्थान कहा गया।

वीर रस से पगी भूमि!

राजस्थानी धरा पर रणबांकुरों ने जहां वीरगाथाएं रची हैं, वहीं वीरांगनाओं के बेमिसाल किस्से भी कम नहीं। मोहम्मद गौरी ने 18 बार पृथ्वीराज पर आक्रमण किया था जिसमें 17 बार उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। जोधपुर के राजा जसवंत सिंह के 12 साल के पुत्र पृथ्वी ने तो हाथों से औरंगजेब के खूंखार भूखे जंगली शेर का जबड़ा फाड़ डाला था। राणा सांगा ने सौ से भी ज्यादा युद्ध लड़े। पन्ना धाय के बलिदान के साथ बुलन्दा (पाली) के ठाकुर मोहकम सिंह की रानी बाघेली का बलिदान भी अमर है। जोधपुर के राजकुमार अजीत सिंह को औरंगजेब से बचाने के लिए उन्हें अपनी नवजात राजकुमारी की जगह छुपाकर लाई थीं।

सात चरणों में बना राजस्थान!

18 मार्च, 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली रियासतों का विलय होकर 'मत्स्य संघ' बना। धौलपुर के तत्कालीन महाराजा उदयसिंह राजप्रमुख व अलवर राजधानी बनी। 25 मार्च, 1948 को कोटा, बूंदी, झालावाड़, टोंक, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, किशनगढ़ व शाहपुरा का विलय होकर राजस्थान संघ बना। 18 अप्रैल, 1948 को उदयपुर रियासत का विलय। नया नाम 'संयुक्त राजस्थान संघ' रखा गया। उदयपुर के तत्कालीन महाराणा भूपाल सिंह राजप्रमुख बने। 30 मार्च, 1949 में जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों का विलय होकर 'वृहत्तर राजस्थान संघ' बना था। यही राजस्थान की स्थापना का दिन माना जाता है। 15 अप्रैल, 1949 को 'मत्स्य संघ' का वृहत्तर राजस्थान संघ में विलय हो गया। 26 जनवरी, 1950 को सिरोही रियासत को भी वृहत्तर राजस्थान संघ में मिलाया गया। 1 नवंबर, 1956 को आबू, देलवाड़ा तहसील का भी राजस्थान में विलय हुआ, मध्य प्रदेश में शामिल सुनेल टप्पा का भी विलय हुआ।

विरासत हैं किले और महल!

यह स्थान पहले राजाओं का स्थान रहा है। इसी कारण इस प्रदेश का नाम भी राजस्थान रख दिया गया। राजस्थान में कई किले हैं। प्रमुख किलों की संख्या 13 हैं, जिनमें जयपुर का आमेर और जयगढ़ किला, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला, राजसमंद का कुम्भलगढ़ किला, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर किला, बीकानेर का जूनागढ़ किला, भरतपुर का लोहागढ़ किला विश्वभर में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। अन्य किलों और महलों में गागरौन किला, जैसलमेर, सिरोही का अचलगढ़, नागौर का अहिछत्रगढ़, जालौर दुर्ग, सिरोही का खिमसर किला, अवलर का निमराणा किला, सिटी पैलेस आदि भी प्रसिद्ध हैं। अभेद किलों के साथ रानियों के कहने के लिए आलीशान महल भी बने हुए हैं।

देश का दसवां भूभाग है राजस्थान

राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य हैं। इसका कुल क्षेत्रफल 3 लाख 42 हजार239 वर्ग किलोमीटर है। यह देश का 1/10 भूभाग है। राजस्थान में अभी तक 7 संभाग और 33 जिले थे, लेकिन हाल ही में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दो जिलों का विलय करते हुए 19 नए जिलों और 3 नए संभागों की घोषणा की है। ऐसे में अब राजस्थान में कुल 10 संभाग और 50 जिले हो गए हैं। नए जिलों और संभागों के नोटिफिकेशन जारी करने और प्रशासनिक कार्य शुरू होने में कुछ महीनों का समय लगेगा।

शौर्य गाथाओं के कारण विशेष पहचान

राजस्थान की शौर्य गाथाओं के कारण राजस्थान देश में अपनी विशेष पहचान रखता है। महाराणा प्रताप, चंद्र सेन राव और महाराजा सूरजमल की शौर्य गाथाएं विश्वभर में प्रसिद्ध है। इतिहारकार कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान को यूरोप के थमापीली की संज्ञा दी थी। थमापीली में पग पग पर वीरता की कहानियां हैं। उसी तरह राजस्थान में बहुत वीर यौद्धा हुए हैं, जिनके कारण इसे थमापीली कहा गया। राजस्थान का बड़ा भू-भाग रेगिस्तान है। यहां भारत की सबसे पुरानी पर्वतमाला अरावली भी मौजूद है।

पर्यटन रूप में भी खास स्थान

पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखता है। यहां दर्जनों ऐसे पर्यटन स्थल है, जहां रोजाना हजारों की संख्या में देशी विदेशी पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। साथ ही धोरों की धरती जैसलमेर की भी अपनी विशेष पहचान है, जहां हिचकौले खाते पर्यटक ऊंटों की सवारी का आनन्द लेते देखे जा सकते हैं। झीलों की नगरी उदयपुर हो या पिंक सिटी जयपुर, पर्यटन की दृष्टि से यहां कई दर्शनीय स्थान हैं। **प्रस्तुतिः साधना सोलंकीं**

वैशाली नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का तीसरा दिन

बजे कुंडलपुर में बधाई कि नगरी में वीर जन्में महावीर जी

जन्मकल्याणक पर निकली विशाल शोभायात्रा, बाल तीर्थंकर के कलशाभिषेक में गूंजे जयकारे

सहकारिता मंत्री गौतम दक ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के नर्सरी सर्किल स्थित जानकी पैराडाइज में आचार्य सुनील सागर महाराज के ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के प्रथम तल पर नवनिर्मित जिनालय का श्रीमज्जिनेन्द्र महावीर जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के तीसरे दिन गुरुवार को जन्मकल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। जन्मकल्याणक की क्रियाएं और श्रीजी के बालरूप पाडुंक शिला पर हुए जन्माभिषेक देखने के लिए जैन समाज उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र बडजात्या ने बताया कि सुबह महोत्सव के तहत जन्मकल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं हुई,जिसके तहत जिनेंन्द्र दर्शन, ध्यान,प्रार्थना व शांति जाप्य के बाद शांति हवन व भगवान का जन्मोत्सव हुआ। तत्पश्चात सौधर्म इन्द्र बने प्रवीण-प्रिया बड़जात्या का आसन कम्पायमान हो उठा। कुबेर का आगमन,एरावत हाथी रचना,शचि इन्द्राणी का अंतपुर में जाना,शचि इन्द्राणी का बाल तीर्थंकर को लाना,सौधर्म इन्द्र को सौपंना,प्रतिष्ठेय जिनबिम्ब शुद्धि के बाद आचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए। आचार्य सुनील सागर ने कहा कि जन्म मरण की इस पीड़ा से वही व्यक्ति बच सकता है जो अपने जन्म को सार्थक बनाए। रुपया-पैसा कमाना, विवाह करना, धन संपत्ति जोड़ना, संतान उत्पन्न करना और सांसारिक कार्यों को करना, इसको जीवन की सार्थकता नहीं कहते हैं। जीवन की सार्थकता तो वह कहलाती है जो अपनी आत्मा का कल्याण करके अपनी आत्मा को परमात्मा बना लेता है उसके जीवन को ही जीवन की सार्थकता कहते है। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक कर लेता है उसका जीवन वास्तव में सार्थक हो जाता है और उसके जन्म को जन्म दिवस नहीं कहते हैं बल्कि जन्म कल्याणक कहते हैं। भगवानों ने अपने जीवन को सार्थक बना लिया है इसलिए उनका जन्म कल्याणक मनाया जाता है। इस मौके पर राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, कमल बाबू जैन, मनोज सोगानी, जिनेन्द्र जैन जीतू, चेतन जैन निमोडिया, कमल बैद, अमन जैन कोटखावदा आदि गणमान्य लोगों ने आचार्य सुनील सागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर समिति की ओर से सभी अतिथियो का सम्मान किया गया। -भव्य लवाजमे के साथ निकली जन्मकल्याणक की शोभायात्रा, उमड़े समाजबंधु, मुख्य संयोजक विकास बडजात्या ने बताया कि इसके बाद बैंड बाजे व 20 हाथियों के साथ जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में सौधर्म इन्द्र बने प्रवीण-प्रिया बड़जात्या सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने ऐरावत हांथी पर तीर्थंकर बालक को लेकर सुमेरू पर्वत की ओर शोभायात्रा के साथ प्रस्थान किया। इस शोभायात्रा में इन्द्र-इन्द्राणियों के साथ-श्रद्धालु बजे कुंडलपुर में बधाई कि नगरी में वीर जन्में...., धन्य-धन्य आज घड़ी कैसी सुखकार है....रोम-रोम से निकलें प्रभुवर नाम तुम्हारा...जैसे भजनों की स्वर लहरियों पर नाच-गाकर अपनी भक्ति को प्रदर्शित किया। जिन-जिन मार्गों से यह शोभायात्रा गुजरी,वे सभी मार्ग श्रद्धा और आस्था की त्रिवेणी में भीगे नजर आए। यह शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई पांडुक शिला पहुंची। जहां पर सौधर्म इंद्र सहित सभी इन्द्रों व पूरे देश से पधारे जैन बन्धुओं ने 1008 कलशों से तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक किया। इससे पूर्व जन्म कल्याणक की खुशी में सौधर्म इंद्र ने तांडव नृत्य कर अपनी खुशियां व्यक्त की। वैशाली नगर के जानकी पैराडाइज में अस्थाई रूप से बसाई कुंडलपुरी में जन्मोत्सव की खुशी में समस्त राजा रानियों सहित इंद्र इंद्राणियों के अपार जन समुदाय ने जन्म कल्याणक की खुशियां मनाई। इसके बाद सायं तीर्थंकर बालक का पालना झुलाने के बाद बाल क्रीडा व सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए,जिन्हें देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

भजन सम्राट रूपेश जैन की भजन संध्या आज शनिवार को

महामंत्री राजेश पाटनी नावां वालों व मुख्य संयोजक विशाल जैन ने बताया कि महोत्सव के तहत शनिवार को सुबह से ही भगवान का तपकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा,जिसके तहत सभी क्रियाएं सुबह 6 बजे से शुरू हो जाएगी,जिसके तहत सुबह 7.15 बजे जन्मकल्याणक पूजा,दोपहर में महाराज सिद्धार्थ बने अशोक-संतोष पाटनी व सौधर्म इन्द्र संवाद,युवराज पद स्थापना,वैराग्य उत्पत्ति, दीक्षाभिषेक, वन गमन व भगवान की दीक्षा विधि की क्रियाएं सम्पन्न होगी। इसीदिन रात्रि 8 बजे से भजन सम्राट रूपेश जैन की भजन संध्या होगी।

दुनिया बदल सकते हैं कलाकार

रंगमंच सप्ताह पर हमारी स्पेशल सीरिज में आज मिलिए उदयपुर के समर्पित रंगकर्मियों से...

उदयपुर. शाबाश इंडिया

महज एक दिन के लिए नाटक कर लेने भर से ही रंगमंच दिवस के प्रति हमारा दायित्व पूरा नहीं हो जाता, अपितु बरसों–बरस इसका अभ्यास करना और अपने साथ आने वाली पीढ़ी को इस विधा से जोड़कर रंगकर्म संस्कृति को समृद्ध करना भी हमारी ही ज़िम्मेदारी है। क्योंकि ये एक सतत प्रक्रिया है, जो निरंतर अभ्यास से दिन–प्रतिदिन और निखरती है। आइए आज आपको मिलवाते हैं, रंगकर्म को हृदय से समर्पित कुछ ऐसे ही रंगकर्मियों से, जो विद्यार्थी जीवन से लेकर वर्तमान के गृहस्थ जीवन तक, रंगमंच से जुड़े रहे और विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए आज भी सक्रिय रूप से नाटक की नब्ज थामे हुए हैं ....

रेखा शर्मा (रंगकर्मी एवं रेडियो कलाकार)

नाट्यशास्त्र की अनेक विधाओं में से रंगमंच मेरी नजर में सबसे विश्वसनीय और जीवंत उदाहरण है। यद्यपि मेरी अभिनय यात्रा रेडियो नाटकों से आरंभ हुई थी। जहां रंगमंच पर कलाकार समग्र रूप में अपने पात्र को अभिव्यक्त करता है, वहीं रेडियो में अभिनय के लिए केवल आवाज ही माध्यम थी। हर पात्र आवाज के जरिए ही श्रोताओं तक अपनी भावाभिव्यक्ति पहुंचा पाता था। कालांतर में आकाशवाणी द्वारा ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने लगे, जिनमें रेड़ियो नाटकों का मंचन दर्शकों के समक्ष किया जाने लगा, जिससे दर्शक ये देख सकें कि बिना किसी सेट या मूवमेंट के कलाकार सिर्फ संवाद पढ़कर कहानी को साकार कर देते थे। एक लंबे अरसे तक रेडियो नाटकों में सक्रिय रहने के पश्चात मैने रंगमंच पर खुद को आजमाने का जब इरादा किया, तब मुझे साथ मिला उदयपुर के एक बेहतरीन नाट्य निर्देशक शिवराज सोनवाल जी का, जिन्होंने मुझे पहली बार रंगमंच पर अभिनय के लिए अवसर दिया जो कि मेरे लिए एक चुनौती भी था। क्योंकि जहां रेडियो नाटकों में स्क्रिप्ट आपके सामने होती है, जिसे पढ़ते हुए अभिनय करना शायद उतना मुश्किल नहीं होता था, जितना कि स्टेज पर स्क्रिप्ट याद करके अभिनय करना। सच कहूं तो रंगमंच अपने आप में एक पूरी दुनिया है। अलग–अलग परिस्थितियों में अपने आप को पाते हुए भी 'show must go on' को चरितार्थ करते हुए मानो हम एक पूरी ज़िंदगी जी लेते हैं। हां..एक बात और विश्व विद्यालयी शिक्षा में नाट्यशास्त्र एक विषय के रूप में पढ़ने के पश्चात जब रंगमंच के धरातल पर पदार्पण किया तो ये एक अलग ही अनुभव था। लगा कि सैद्धांतिक तौर पर जो जाना और समझा प्रायोगिक तौर पर बिल्कुल अलग है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, अलग–अलग तरह की विषम परिस्थितियों का सामना करता हुआ 'रंगमंच'..... अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करता रंगमंच... आजकल के जमाने में जहां टीवी सीरियल्स, फि ल्म, एड फिल्म जैसे प्रलोभन युवा रंगकर्मियों के सामने हैं। ऐसी हालत में अपना ध्यान रंगमंच की ओर केंद्रित करना और कुछ खोजते रहना आसान काम नहीं है। जिन्होंने थिएटर की बाकायदा शिक्षा पाई है, ऐसे लोग भी रंगमंच की ओर अपना ध्यान देते हुए नजर नहीं आते। जितना कि उनसे उम्मीद की जा सकती है और उसके लिए उनको दोषी भी ठहराया नहीं जा सकता। आज ज्यादातर लोग सुख–सुविधाओं वाली जीवन शैली के लिए धन कमाने में जुटे हुए हैं और रंगमंच पर कुछ खोजते हुए ऐसी जीवन शैली प्राप्त करना मुश्किल ही नहीं प्रायः असंभव–सा है।

डॉ. काजल वर्मा (रंगकर्मी एवं चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग)

इस पितृसत्तात्मक जगत में रंगमंच ने महिलाओं को अपने आत्मसम्मान, अपनी भावनाओं और अधिकारों को व्यक्त करने का सम्पूर्ण मंच दिया है, अलग–अलग रुप में लेखन, निर्देशन, अभिनय आदि के माध्यम से महिलाओं ने हुनर का प्रदर्शन करते हुए, यौन मतभेदों को झूठा साबित किया है। अभिनय और नाटक में व्यक्ति भावनाओं को महसूस करना, व्यक्त करना, दूसरों की भावनाओं को समझना, भावनात्मक समस्याओं से निपटना सीखते हैं। रंगमंच सही वातावरण में मनुष्य के अंदर की आक्रामकता और तनाव को बाहर लाने में मदद करता है। युवाओं को जीवन जीने का ढंग सिखाता है और कठिन से कठिन स्थिति में भी हार न मानने के लिए प्रोत्साहित करता है। रंगमंच हमें भाषा के ज्ञान व सही उच्चारण में प्रवीण करते हुए आत्मविश्वास से भर देता है।

नवीन जीनगर (टेलिविजन एक्टर एवं रंग श्रमिक)

'रंगमंच' इस शब्द में ही एक छोटा-सा ब्रह्मांड निवास करता है, ब्रह्मांड, अभिनय का। यह शब्द तो बचपन से कई बार सुना था, परंतु इसके अर्थ एवं प्रभाव का पता सन 2007 में चला, जब लगभग 20 दिनों की रिहर्सल के बाद पहली बार रंगों के इस मंच पर कदम रखा। लोककला मंडल, उदयपुर के मुक्ताकाशी मंच पर नाटक की प्रस्तुति के बाद उपस्थित जन समूह की करतल ध्वनि जब कानों में पडी तो आत्मा झंकृत हो उठी। उसके बाद न जाने कितनी देर तक अपने डायरेक्टर श्री शिवराज सोनवाल के गले से लिपटकर रोता रहा कि उन्होंने रंगमंच के जादू से मुझ जैसे पत्थर को भी तराश कर हीरा बना दिया। जो बालक कभी सपने में भी स्टेज पर नहीं चढ़ा था, उसमें इतना आत्मविश्वास भर दिया कि वो आज हजारों की भीड़ के सामने लम्बे-लम्बे संवाद बोलता है। नाटक की उस रात के बाद से रंगमंच से जो हकिकी इश्क हुआ वो आज भी मेरे लिए सबसे ऊंचा है। कहानी कहने का आधुनिक माध्यम ''सिनेमा'' चाहे कितना भी उन्नत क्यों न हो जाए, रंगमंच का प्रभाव हमेशा सवैया ही रहेगा, क्योंकि कहानी कहने की यह विधा स्वयं भगवान नटराज से होते हुए भरत मुनि एवं उसके बाद आधुनिक युग में शेक्सपीरियन नाटक और पारसी थिएटर ने बरकरार रखी है। रंगमंच वह सूर्य है जो कहानी कहने के माध्यमों में सदैव देदीप्यमान रहेगा।

संदीप सेन (रंगकर्मी एवं हेयर स्टाइलिस्ट)

रंगमंच सिर्फ एक कला नहीं, अपितु सभी कलाओं का एक मिला–जुला रूप है। कला के कई रंग होते हैं जैसे गायन, वादन, चित्रकारी, नृत्य, रूप सजा, मूर्तिकला आदि। कला के इन सभी रंगों को एक साथ, एक मंच पर, अभिनीत करना ही रंगमंच है....और ये रंगमंच सिर्फ. स्टेज तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि हर पहलू में हैं। यदि भावी पीढ़ी को भी रंगमंच के महत्व से अवगत कराते हुए उसे हर विधा में पारंगत बना कर उसे उज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करना है तो स्कूलों में एक कालांश रंगमंच के किए अवश्य होना चाहिए।

-निरंतर

> **सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, अलग–अलग तरह की विषम परिस्थितियों का सामना करता हुआ 'रंगमंच'..... अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करता रंगमंच... आजकल के जमाने में जहां टीवी सीरियल्स, फि ल्म, एड फिल्म जैसे प्रलोभन युवा रंगकर्मियों के सामने हैं। ऐसी हालत में अपना ध्यान रंगमंच की ओर केंद्रित करना और कुछ खोजते रहना आसान काम नहीं है। जिन्होंने थिएटर की बाकायदा शिक्षा पाई है, ऐसे लोग भी रंगमंच की ओर अपना ध्यान देते हुए नजर नहीं आते।**

ओमपाल सीलन,
रंगकर्मी एवं पत्रकार,
उदयपुर।